प.रे. प्रेस विज्ञप्ति क्र. 2020/11 मुंबई, 13 नवम्बर, 2020

यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा दादर रेलवे स्टेशन पर नए MCGM पैदल ऊपरी पुल की शुरुआत

पश्चिम रेलवे हमेशा से स्टेशनों पर अधिकाधिक पैदल ऊपरी पुल, एस्केलेटर तथा लिफ्ट उपलब्ध करा कर यात्रियों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा का अनुभव प्रदान करने में अग्रणी रही है। इन प्रयासों के कारण पटरी पार करने तथा पुलों पर भीड़ जैसी समस्याओं का सामना करने में अत्यधिक सहायता मिलती है। इसी क्रम में दादर रेलवे स्टेशन पर में नवनिर्मित एम सी जी एम (दक्षिण) पैदल ऊपरी पुल की शुरुआत की गई है जो 10 मीटर चौड़ा और 69 मीटर लंबा है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं संरक्षा के मद्देनज़र भीड़ भाड़ और पटरी पार करने की प्रवृत्ति को रोकने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर सम्बंधी कार्यों के अतिरिक्त क्षमता- वृद्धि के कई कार्य किए जा रहे हैं। दादर रेलवे स्टेशन पर पूर्व तथा पश्चिम को जोड़ने वाले नए एम सी जी एम पैदल ऊपरी पुल की शुरुआत इसी की कड़ी है। 5.75 करोड़ रुपये की लागत से बना यह पुल 10 मीटर चौड़ा और 69 मीटर लंबा है। इसका निर्माण जनवरी, 2019 में शुरू किया गया था तथा रेल यातायात को बाधित किए बिना इसे नवम्बर, 2020 में पूरा किया गया है। श्री ठाकुर बताया कि लॉक डाउन के दौरान विषम परिस्थितियों में भी पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न विकासात्मक कार्यों को जारी रखा तथा पूरा भी किया। इस अवधि में बांद्रा टर्मिनस के एफ ओ बी के एक्सटेंशन के साथ ही एक नए स्काय वॉक तथा इस पैदल ऊपरी पुल सहित 10 पैदल ऊपरी पुलों की शुरुआत की गई है ।

श्री ठाकुर ने बताया कि पश्चिम रेलवे यात्रियों की संरक्षा को लेकर सदैव सजग रही है। उन्होंने कहा कि आईआईटी, मुंबई द्वारा पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड के 16 पैदल ऊपरी पुलों को यात्रियों के लिए सुरक्षित नहीं बताया गया था तथा इन्हें डिस्मेंटल करने की सलाह दी गई थी। पश्चिम रेलवे द्वारा इनमें से 13 पुलों को डिस्मेंटल किया जा चुका है तथा तीन पुलों पर यह कार्य किया जा रहा है। इनमें से दादर दक्षिण का पुल शामिल है। अंधेरी मध्य पुल की छह में से दो पूर्वी स्पानों को डी लॉन्च किया जा चुका है। इसी प्रकार गोरेगांव मध्य पुल की तीन में से पूर्वी स्पान की भी डी लॉन्चिंग की जा चुकी है। इन तीन पुलों को दिसंबर, 2020 तक डिस्मेंटल किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में विभिन्न स्टेशनों पर पैदल ऊपरी पुलों तथा एस्केलेटरों के साथ ही कुछ सड़क ऊपरी पुलों के सुधार/पुनर्निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

****